पश्चिम बंगाल सरकार ने कलकत्ता नगर क्षेत्र के व्यापक सर्वेक्षण की व्यवस्था का प्रबन्ध किया है जिसमें अन्य विषयों के साथ परिवहन की आवश्यकताएं भी शामिल होंगी।

विवरण

'बृहत् बम्बई परिवहन अध्ययन' का उद्देश्य बम्बई शहर के लिए एक व्यापक तथा दूरगामी परिवहन योजना का विकास करना है। बाजार की सड़कों तथा मुख्य मार्गों की सुधार को योजना को विकसित करने पर मुख्यतः ध्यान दिया जायेगा। बाजार की सड़कों तथा मुख्य मार्गों की विकास योजना में बस तथा रेल द्वारा यात्रियों के सार्वजनिक परिवहन की वर्तमान तथा भविष्य को क्षमता पर ध्यान दिया जायेगा।

एक्सप्रेसवेज, नगर की मुख्य सड़कों और बड़े यातायात को जोड़ने वाली सड़कों की योजना को परा करने तथा बढ़ाने के सबसे उत्तम साधनों को विकसित किया जायेगा और उन की सिफारिश की जायेगी। ये तमाम योजनाएं वर्तमान तथा सम्भावित भविष्य के यात्रियों की आवश्यकताओं तथा इच्छाओं पर आधारित होंगी। उन प्राकृतिक एवं भूमि सम्बन्धी रूप-रेखाओं पर निश्चय ही अधिक ध्यान दिया जायेगा जिनकी सड़कों के स्थान निश्चित करने पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की संभावना हो।

THE MINISTER OF SHIPPING IN THE MINISTRY OF TRANSPORT AND COMMUNICATIONS (SHRI RA,T . BAHADUH) : (a) A statement giving the j required information is aippended. Tha cost of the scheme is 0:395 million dollars.

(b) Agreement lor carrying out the study was signed with M/s. Wilbur Smith & Associates, of 495, Orange Street, New Havan, Connecticut, USA on the 16th July, 1962. The study is to be completed within 15 calendar months.

(c) The Government of India have no proposal for the present to arrange for such studies of other towns. The Government of West Bengal are reported to have arranged for a compre-nensive survey of Calcutta metropolitan area which will include inter *alia* transport needs.

STATEMENT

The purpose of the Greater Bombay Transportation Study will be to develop a comprehensive and long range transportation plan to serve the City of Bombay. Principal attention will be given to developing a plan of street and highway improvements. The present and future potentialities of the public transport of persons by bus and rail will be given attention in the development of the street and highways plan.

The best means of extending and completing the plan of expressways, arterial streets, and major traffic con-nectors will be developed and recom-mended. All of these plans will be based on present and anticipated future travel requirements and desires. Major attention will, of course, be given to the physical and topographic conditions that may be expected to have important effects upon the location of major travel arteries.]

f[ ] English translation.

अन्तर्राष्ट्रीय राजपथों के लिये निर्धारित न्यूनतम प्रमाप

४१५. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या परिवहन था संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि अन्तर्राष्ट्रीय राजपथों के लिये जो न्यूनतम प्रमाप रखे गये हैं, वे क्या हैं और भारत को सड़कों के प्रमाप इन न्यूनतम प्रमापों से सामान्यतः कहां तक ऊंचे हैं ?

t [MINIMUM STANDARDS PRESCRIBED FOR INTERNATIONAL HIGHWAYS

415. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN; Will the Minister of TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state what are the minimum standards prescribed for international highways and to what extent the roads in India generally exceed these minimum standards?]

परिवहन तथा संचार मंत्रालय में नौवहन मंत्री (श्री राज बहादुर): संभवत: माननीय सदस्य का तात्पर्य उन सड़कों से है जो इकाफे क्षेत्र के विभिन्न देशों को आपस में जोड़ने के लिये इकाफे के सचिवालय द्वारा तैयार की गई अन्तर्राष्ट्रीय राजपथों के जाल को विकसित करने हेतु प्रस्तावित एशियन राजपथ योजना में शामिल की गई हैं। इन सड़कों के लिये कम से कम मानक (स्टैंडर्ड) यह रखा गया है कि वे कम से कम काली सतह वाली इकहरी गली की चौड़ाई की सड़कें हों। उनमें १२ फोट चौड़ा गाड़ी का रास्ता, ३८ फीट चौड़ा निर्माण विस्तार और १०० फोट चौड़ो सड़क भूमि हो तथा उनमें आई० आर० सी० क्लास ए० को दो गलियों वाले या आई० आर० सी० क्लास ए०ए० लदान की एक गली वाले पुल डिज़ाइन किए गए हों। भारत में पहले से ही प्रस्तावित एशियन राजपथ योजना के अन्तर्गत अधिकांश सड़कें सामान्यतया इस न्यूनतम मानक की हैं। इनमें से कुछ सड़कों या उनके भागों में, जिनमें दोहरी गली के गाड़ीपथ या उच्चतर स्थल इत्यादि हैं, यह न्यूनतम मानक बढ़ गया है।

tETHB MINISTER OF SHIPPING IN THE MINISTRY OF TRANSPORT AND COMMUNICATIONS (SHRI RAJ BAHADUR) : Presumably the Hon'ble Member is referring to roads included in the proposed Asian Highways Scheme drawn up by the E.C.A.F.E. Secretariat for the development of a network of international highways to inter-connect the various countries in the E.C.A.F.E. region. The minimum standard laid down for these roads is that they should at least be single lane roads with black-topped surface, 12 feet wide carriageway, 38 feet wide formation width, 100 feet wide road land, and bridges designed to two lanes of IRC Class A or one lane of IRC Class AA loading. Already, most of the roads included in the proposed Asian Highway System in India have generally this minimum standard. Some of these roads or sections thereof which have double lane carriageway or higher surfaces, etc., exceed this minimum standard]

बम्बई में मत्स्य खाद्य संयंत्र

४१६. श्री नवाबसिंह चौहान : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बम्बई में जो अग्रिम मत्स्य खाद्य संयंत्र स्थापित किया गया है, उसका मुख्य उद्देश्य क्या है ;

(ख) इस संयंत्र में किन-किन वस्तुओं का प्रदर्शन किया जायेगा; और

(ग) इस संयंत्र पर अब तक प्रति मास कितना अनावर्त्ती और आवर्त्ती व्यय हुआ है; और कितना भविष्य में होने की संभावना है ?

f[FisH MEAL PLANT AT BOMBAY

416. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the main, object of the Pilot Fish Meal Plant established at Bombay;

(b) the Items that are to be demonstrated at this plant; and

f[ ] English translation.